हिंदी पखवाड़ा

(14-29 सितंबर, 2022)

निदेशक
(मानव संसाधन)
का
हिन्दी दिवस पर संदेश

प्रिय साथियो

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

भारत में भाषाई संस्कृति की जड़ें अत्यंत मजबूत है। यह विविध संस्कृतियों के सम्मिश्रण से गुजर कर सदियों से विकसित हुई हैं। भाषाई विविधता एवं बहुआयामी संस्कृति के बावजूद, राजभाषा हिंदी ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोकर अनेकता में एकता की धारणा को पुष्ट किया है। भारत के संविधान में अब तक देश की 22 भाषाओं को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इन सभी भाषाओं के बीच में संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी सुस्थापित है। हिन्दी की इसी व्यापकता को देखते हुए, हमारे संविधान में 14 सितंबर,1949 को हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में मान्यता दी गई थी । यह दिवस हमें राष्ट्रीय एकता, भाषाई सौहार्द एवं अस्मिता का बोध कराता है।

किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी भाषा और संस्कृति से होती है। दुनिया के सभी लोग अपनी भाषा का प्रयोग करते समय गर्व महसूस करते हैं । हमें भी अपनी भाषा का प्रयोग करते समय गौरव का अनुभव करना चाहिए । भाषा अपनी भावना व्यक्त करने का एक माध्यम भर है। भाषा किसी को अमीर- गरीब या छोटा-बड़ा नहीं बनाती, बल्कि स्वभाषा प्रयोग आपको अपने देश के प्रति, लगाव, जुड़ाव व भारतीय होने का एहसास कराता है । ज्ञान-विज्ञान के लिए हमें दूसरों की भाषा को सीखने का मौका मिले, यह अच्छी बात है लेकिन दूसरे देशों की भाषा के चलते हम अपनी देश की भाषाओं का प्रयोग न करें, यह उचित नहीं है। अपने घर,गांव,शहर,प्रदेश व देश की भाषा को प्रयोग न करने से हम न केवल अपनी भारतीय सांस्कृतिक व भाषिक धरोहर से दूर हो जाते हैं,बल्कि भाषा को भी धीर-धीरे विलुप्त कर देते हैं जो कि राष्ट्र के लिए हितकर नहीं होता है ।

संयुक्त राष्ट्र संघ की इस समय 06 आधिकारिक भाषाएं हैं। यह हर्ष की बात है कि संयुक्त राष्ट्र की महासभा ने अपने कामकाज के प्रचार प्रसार के लिए छह आधिकारिक भाषाओं के साथ-साथ पुर्तगाली ,स्वाहिली, उर्दू, बांग्ला, तथा हिन्दी को भी अपना लिया है। कहने का तात्पर्य है कि अब 06 भाषाओं के अलावा हिंदी में भी सूचनाएं प्रसारित की जाएगी। यह भारत के लिए गर्व की बात इसलिए है कि भारतीय भाषाओं ने संयुक्त राष्ट्र भाषाओं के बीच में प्रवेश कर लिया है। अब हमें हिन्दी के प्रयोग को गंभीरता से अपने देश के शासन,प्रशासन,शिक्षा न्याय,चिकित्सा,रोजगार ,कृषि एवं कारोबार के क्षेत्र में स्थापित करना होगा तभी हम इसे संयुक्त राष्ट्र संघ की सातवीं आधिकारिक भाषा के रूप में दर्जा दिलवाने में सफल होंगे ।

यह नवाचार,आविष्कार और अत्याधुनिक तकनीक से लैस उत्पादों का नया युग है। आज जो तकनीक के साथ चलेगा,वही आगे प्रगति कर पाएगा। नई-नई तकनीक के विकास के साथ नई-नई संभावनाएं भी लगातार बढ़ रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआई), कंप्यूटिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और ब्लॉकचेन नई पहचान बनकर उभर रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमता यानी कि एआई ने हमारी दुनिया को बदल कर रख दिया है। मशीन लर्निंग और एआई तकनीक का दबदबा बढ़ रहा है। इंटरनेट पर डिजिटल दुनिया में हिन्दी व्यापक रूप से प्रयोग की जा रही है। भारतीय भाषाओं को लेकर सबसे ज्यादा नवाचार गूगल कर रहा है एवं कई सारे ई- टूल्स पेश कर चुका है जिसकी मदद से तत्काल टाइपिंग व अनुवाद के क्षेत्र में क्रान्ति आ गई है। इन नई तकनीकों से हमारी काफी ऊर्जा व समय की बचत हो रही है एवं भाषाई प्रयोग सरल, सुगम व प्रभावी हो गया है ।

भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों के अनुपालन के लिए , इंडियन ऑयल के सभी कार्यालयों में आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। राजभाषा संबंधी व्यापक जानकारी देने के उद्देश्य से, हिंदी मॉड्यूल बनाए जा रहे हैं एवं कंप्यूटर पर हिंदी-प्रयोग बढ़ाने के लिए कॉर्पोरेट स्तरीय ऑनलाइन ई-टूल्स व स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली 'कंठस्थ' पर कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं । सभी कार्यालय प्रमुखों द्वारा अपनी विभागीय बैठकों में मासिक आधार पर हिंदी प्रगति की समीक्षा की जाती है एवं आवश्यकतानुसार निदानात्मक कार्रवाई की जाती है। संसदीय समिति ने हमारे 10 कार्यालयों का राजभाषा निरीक्षण किया है एवं सभी की प्रगति को संतोषजनक पाया है तथापि समिति ने हमें हिंदी पत्राचार व टिप्पण के क्षेत्र में लक्ष्यानुसार वृद्धि,हिंदी पुस्तकों की खरीद, कंप्यूटर पर हिंदी का अधिक प्रयोग एवं हिंदी सम्मेलन का आयोजन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं जिन्हें पूरा करने में हम सफल होंगे। हमारे कुछ कार्यालय उत्कृष्ट कोटि का कार्य कर रहे हैं। भारत सरकार के राजभाषा विभाग की तरफ से 14 सितंबर,2022 को सूरत में, वर्ष 2021-22 के लिए, गुवाहाटी रिफाइनरी द्वारा संचालित नराकास गुवाहाटी (उपक्रम) को प्रथम एवं पानीपत रिफाइनरी (कार्यालय) को राष्ट्रीय स्तर का द्वितीय राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं । इंडियनऑयल के अन्य अधिसूचित कार्यालय भी पुरस्कार प्राप्त करने की दिशा में सक्रिय प्रयास करें एवं राजभाषा के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करें। हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत सभी वर्ग के कर्मचारियों के लिए अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं,आप सभी बढ़-चढ़कर भाग लें एवं कार्यक्रमों को सफल बनाएं।

आइए, हिंदी दिवस के अवसर पर,हम सभी सद्भावना, प्रेरणा व प्रोत्साहन द्वारा अपना आधिकारिक कार्य हिंदी में करने व अपने व्यवसाय में हिन्दी की उत्तरोत्तर प्रगति व प्रयोग का संकल्प लेते हैं ।

आप सभी को हिन्दी दिवस के अवसर पर पुनः हार्दिक शुभकामनाएं ।

जय हिंद, जय हिन्दी ।

14 सितंबर, 2022

रंजन कुमार महापात्र
निदेशक (मानव संसाधन)